मूल्य 1 रु.

वर्षः 13 - अंक : 191, मुंबई, मंगलवार, 12 सितंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई : सायन अस्पताल के पास भिड़ी कार

2 भाई जिंदा जले, पार्टी करने जा रहे थे मरीन ड्राइव

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के सायन इलाके में एक भीषण हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। मुंबई पुलिस ने कहा कि रविवार को एक कार दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह भयानक हादसा सायन अस्पताल के पास हुआ। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मराठवाडा में रोज 3 किसान कर रहे आत्महत्या

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मराठवाडा क्षेत्र में अन्नदाताओं की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। राज्य सरकार के तमाम दावों के बावजूद मराठवाडा में किसानों की आत्महत्याएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इस बीच, औरंगाबाद जिले में एक ही दिन तीन किसानों ने अपनी जान दे दी। जिसमें से दो किसानों ने जहर खाया है और एक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। पिछले तीन-चार सालों से भारी बारिश की मार झेल रहे मराठवाडा में इस साल बारिश की कमी से हालात गंभीर हो गए हैं और किसान संकट में हैं। ऐसे में अन्नदाताओं के आत्महत्या के मामले बढ़ रहे है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कृषि मंत्री के जिले का सबसे बुरा हाल

बीते 3 साल के आंकड़े...

1 जनवरी से 31 दिसंबर 2020 के बीच मराठवाडा में 773 किसानों ने आत्महत्या की।

1 जनवरी से 31 दिसंबर 2021 के बीच मराठवाडा में 887 किसानों ने आत्महत्या की।

1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के बीच मराठवाडा में 1022 किसानों ने आत्महत्या की।

मुंबई को यूटी बनाएगी मोदी सरकार

विशेष सत्र का यही एजेंडा, महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ का बड़ा दावा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भारत की मेजबानी में जी20 शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। जिसके बाद अब मोदी सरकार द्वारा बुलाये गए संसद के विशेष सत्र की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। दरअसल केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक के लिए बुलाए गए विशेष सत्र का एजेंडा अब तक नहीं बताया है। इस वजह से विपक्ष खास सत्र को लेकर कई तरह के दावे कर रहा हैं। इसी क्रम में अब महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने सनसनीखेज दावा कर दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

केरल में निपाह वायरस का बढ़ा खतरा, दो लोगों की मौत से मचा हड़कंप

स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

नई दिल्ली। केरल में एक बार फिर निपाह वायरस के फैलने का मामला सामने आया है। केरल के कोझिकोड जिले में बुखार से दो लोगों की जान चली गई। इलाज के दौरान दोनों की प्राइवेट अस्पताल में मौत होने के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि दोनों मरीजों की मौत निपाह वायरस की वजह से हुई हैं। इसको लेकर राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार रात एक बयान में कहा कि निपाह वायरस के खतरे को देखते हुए केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने एक उच्च स्तरीय बैठक की और स्थिति की समीक्षा की।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट

कोझिकोड में बुखार से अप्राकृतिक मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मचा हुआ है। निपाह की आशंका की वजह से एक मृतक के रिश्तेदार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संदिग्ध मौतों के बाद राज्य सरकार ने स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई।

निपाह वायरस से पहले भी हुई थी मौतें

आपको बता दें कि साल 2018 और 2021 में कोझिकोड जिले में निपाह वायरस संक्रमण से मौतें दर्ज की गई थीं। दक्षिण भारत में निपाह वायरस का पहला मामला कोझिकोड में मिला था। 19 मई, 2018 को कोझिकोड में इस वायरस का पहला मामला मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

इरादा पूरा कैसे होगा?

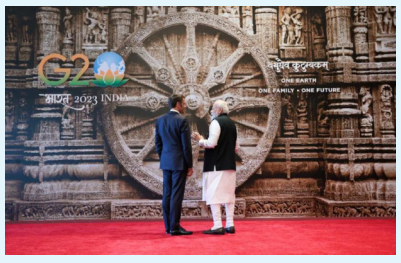

आईएमईसी की घोषणा के साथ प्रश्न उठा कि इसकी फंडिंग का सिस्टम क्या होगा, टेक्नोलॉजी और सामग्रियां कौन उपलब्ध कराएगा, परियोजनाओं पर अमल कौन-सी कंपनियां करेंगी और प्रोजेक्ट तैयार होने पर उनका प्रबंधन कौन करेगा?

नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक महत्त्वपूर्ण पहल यह हुई कि भारत से पश्चिम एशिया होते हुए पूर्वी यूरोप तक एक आर्थिक गलियारा बनाने का एलान हुआ। इसे इंडिया- मिडल ईस्ट- यूरोप कॉरिडोर (आईएमईसी) नाम दिया गया है। इरादा यह है कि इस पूरे क्षेत्र को जोड़ने के लिए रेल और जल मार्गों का विकास किया जाएगा। विभिन्न देशों के बीच बंदरगाहों को जोड़ा जाएगा, जिससे कारोबार आसान हो जाएगा। अमेरिकी पहल पर हुए इस करार की जब घोषणा हुआ, तो सहज ही इसके पहले की अमेरिका की दो बड़ी घोषणाएं याद आईं। राष्ट्रपति बनने के कुछ महीनों के बाद ही राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड नाम से इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण की महत्त्वाकांक्षी परियोजना शुरू करने का एलान किया था। मौका जी-7 का शिखर सम्मेलन था। तब उन्होंने कहा था कि इसके लिए निजी क्षेत्र से 200 बिलियन डॉलर की रकम जुटाई जाएगी। साल भर बाद यानी 2022 के जून में जब जी-7 देशों के नेता फिर मिले, तो बाइडेन ने इस परियोजना का नाम बदल कर ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट करने का एलान किया। फिर 200 बिलियन डॉलर जुटाने की बात कही। अब 2023 के सितंबर में इस प्रोजेक्ट ने उन्होंने एक बार फिर 200 बिलियन डॉलर जुटाने की बात दोहराई। जाहिर है, ये प्रोजेक्ट कहीं नहीं पहुंचा है। इसीलिए आईएमईसी की घोषणा के साथ प्रश्न उठा कि इसकी फंडिंग का सिस्टम क्या होगा, टेक्नोलॉजी और सामग्रियां कौन उपलब्ध कराएगा, परियोजनाओं पर अमल कौन-सी कंपनियां करेंगी और प्रोजेक्ट तैयार होने पर उनका प्रबंधन कौन करेगा? ये प्रश्न इसलिए अहम हैं, क्योंकि जो देश इसमें शामिल हुए हैं, उनके पास ऐसी उत्पादक क्षमताओं का अभाव है, जिससे इतने बड़े पैमाने पर किसी योजना को लागू किया जा सके। फिर निजी क्षेत्र की भूमिका समस्याग्रस्त है, क्योंकि बड़ी सब्सिडी या तुरंत मुनाफे की आस ना होने पर इस क्षेत्र की कंपनियों की कोई दिलचस्पी नहीं रहती। चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को इसलिए लागू कर पाया है, क्योंकि उसके पास सार्वजनिक क्षेत्र और उत्पादक अर्थव्यवस्था है। यह बात खुद जो बाइडेन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन स्वीकार कर चुके हैं।

जी-20 का डंका बजता रहेगा

अगले दो महीने में होने वाले राज्यों के चुनाव और अगले साल के लोकसभा चुनाव के लिए यह प्रचार का मुख्य एजेंडा होगा कि भारत ने नई दिल्ली घोषणापत्र पर सौ फीसदी सहमति बना कर असंभव को संभव बनाया, 55 देशों के अफ्रीकी संघ को जी-20 का सदस्य बनाया, जिसके बाद इसक नाम जी-21 हो गया और 'ग्लोबल साउथ' की प्रमुख आवाज बन कर उभरा। हैरानी नहीं होगी अगर भाजपा के घोषणापत्र में नई दिल्ली घोषणापत्र की चीजें शामिल हों

जी-20 का शिखर सम्मेलन समाप्त हो गया है लेकिन उसका डंका बजना अभी जारी रहेगा। अभी तक भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने और उसके आयोजन की तैयारियों को लेकर जय-जयकार हो रही थी लेकिन अब सफल आयोजन का डंका बजेगा। दुनिया भर के देशों के नेता दिल्ली से लौटते लौटते भारत के आयोजन की तारीफ करके गए हैं। जी-20 के नए अध्यक्ष ब्राजील के राष्ट्रपति इनासियो लूला डी सिल्वा ने तो यहां तक कहा कि उनका देश भारत की तरह ही आयोजन करने की भरपूर कोशिश करेगा। आयोजन की भव्यता के साथ साथ इसकी सफलता को लेकर भी बहुत चर्चा हुई है। नई दिल्ली घोषणापत्र पर सौ फीसदी सहमति की तारीफ अलग अलग तरह से सभी देशों ने की। इस घोषणापत्र को रूस ने अपनी जीत बताया तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूरोप की जीत बताया। भारतीय मीडिया में इस बात का भरपूर प्रचार हुआ कि भारत ने 37 पन्नों और 83 पैराग्राफ के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनवाई। यह भारत की कूटनीतिक जीत है कि इसकी तारीफ रूस भी कर रहा है और यूरोप भी। सारी दुनिया भारत के नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यह कह कर भारत का मान और बढ़ा दिया कि सही समय पर सही देश को जी-20 का नेतृत्व मिला। इस तरह जी-20 की कूटनीति के बाद अब इसके राजनीतिक इस्तेमाल के लिए मैदान सज गया है।

ऐसा नहीं है कि पहले इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं हो रहा था। जब से भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली तभी से इसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वगुरू की छवि बनाने के लिए किया जाने लगा था। उसके बाद एक सच्चे और बड़े इवेंट के आयोजक की तरह प्रधानमंत्री ने इसका विस्तार बहुत व्यापक कर दिया। पिछले साल दिसंबर में भारत को इसकी अध्यक्षता मिली थी उसके बाद नौ महीने में देश के 60 शहरों में जी-20 से जुड़ी 220 से ज्यादा बैठकें हुईं। इन बैठकों में दुनिया के अलग अलग देशों के 25 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए। ब्राजील में सिर्फ पांच शहरों में बैठकें होंगी। भारत में पर्यटन से लेकर खाद्य सुरक्षा और लघु व छोटे उद्योगों से लेकर स्वास्थ्य तक हर क्षेत्र के बारे में विचार किया गया और उसका रोडमैप तैयार किया गया। अफ्रीकी संघ के 55 देशों की इसमें बड़ी भागीदारी रही और जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन अफ्रीकी संघ को जी-20 का हिस्सा बनाने का ऐलान हुआ। भारत को इसका श्रेय मिला कि उसने वसुधैव कुटुम्बम और अपने समावेशी विकास के सिद्धांत पर चलते हुए अफ्रीका को इस विकसित देशों के समूह का हिस्सा बनवाया।

आमतौर पर वित्त और विदेश नीति से देश की आम जनता को कोई खास मतलब नहीं होता है। तभी 24 घंटे चलने वाले न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया के बावजूद बजट से लोगों को इतना ही मतलब होता है कि क्या महंगा हुआ और क्या सस्ता और कूटनीति से सिर्फ इतना सरोकार होता है कि पाकिस्तान को भारत ने ठीक कर दिया, पाकिस्तान जाकर क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, उनके यहां आना-जाना बंद कर दिया है आदि। थोड़े पढ़े लिखे लोगों का सरोकार इतना होता है कि अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, कनाडा आदि का वीजा मिल जाए। यह पहला मौका था, जब सरकार ने जी-20 के बहाने कूटनीति को पढ़े-लिखे, सम्भ्रांत शहरी वर्ग के ड्राइंग रूम से निकाल कर गांव-कस्बों के चौपाल और चाय की दुकान तक पहुंचा दिया। पिछले नौ महीने से हर व्यक्ति जी-20 के बारे में बात करता हुआ था। उसे इसका एजेंडा भले न मालूम हो लेकिन यह पता चल गया था कि भारत में बहुत बड़ा आयोजन हो रहा है, जिसमें दुनिया की सारी महाशक्तियों के नेता नई दिल्ली में जुट रहे हैं। सरकार, भाजपा और आरएसएस के प्रचार तंत्र से उनको यह भी पता चल गया था कि मोदी हैं तभी ऐसा हो रहा है। देश की ज्यादातर आबादी अब भी यही मान रही है कि पहली बार इस तरह का आयोजन भारत में हुआ है।

बची खुची कसर आयोजन के तीन दिन यानी आठ और दस सितंबर की कवरेज ने पूरी कर दी। दुनिया के महाबली देशों के विमानों का हवाईअड्डे पर उतरना, नेताओं का भारत मंडपम में पहुंचना, मोदी का उन्हें गले लगाना, दुनिया की महाशक्तियों के बीच बैठे मोदी का गैवल यानी हथौड़ा पीटना और राजघाट पर एक साथ 20 से ज्यादा नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों का नेतृत्व करते हुए उन्हें महात्मा गांधी की समाधि पर ले जाना, इन सबसे बेहद पावरफुल तस्वीर बनी। भूख, बेरोजगारी, गरीबी अपनी जगह है और गर्व अपनी जगह है। राष्ट्र का सम्मान, तिरंगे का गौरव आदि ऐसी भावनाएं हैं, जो नागरिकों को अपने जीवन की तमाम असुविधाओं और परेशानी से आगे ले जाती हैं। इस आयोजन के बाद यह कहते हुए बहुत से लोग मिल जाएंगे कि 'कुछ भी हो मोदी ने कमाल कर दिया'। यह धारणा अपने आप भाजपा और नरेंद्र मोदी का चुनावी स्टॉक ऊंचा करने वाली है। इसके बाद जो प्रचार होगा उससे रही सही कसर और पूरी हो जाएगी।

प्रचार की शुरूआत भी हो गई है। शिखर सम्मेलन समाप्त होने के तुरंत बाद सरकार के मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाली। दोनों ने शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए मोदी को बधाई दी। इस आयोजन के लिए भारत के शेरपा रहे अमिताभ कांत और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले ही दिन ऐलान कर दिया कि भारत का नेतृत्व दुनिया में घोषित हो गया। अखबारों में यह लिखा जाने लगा कि जी-20 का सफल आयोजन भारत के लिए वही लम्हा है, जो 2008 में बीजिंग ओलंपिक का आयोजन चीन के लिए था। यानी जिस तरह से बीजिंग ओलंपिक के आयोजन के बाद चीन महाशक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ा उसी तरह भारत जी-20 के आयोजन के बाद बढ़ेगा। इस आयोजन के बाद दो और आयोजन की घोषणा हो चुकी है। पहले 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जय-जयकार होगी, उनका अभिनंदन होगा। फिर मोदी ने नवंबर में जी-20 के एक वर्चुअल सम्मेलन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें नई दिल्ली घोषणापत्र के प्रस्तावों पर अमल की समीक्षा होगी। प्रधानमंत्री मोदी चाहेंगे कि दिल्ली सम्मेलन की चर्चा होती रहे। इस बीच 'यह समय युद्ध का नहीं है' के अपने जुमले के लिए मोदी नोबल पुरस्कार के लिए नामित होते हैं तो उसकी अलग चर्चा होगी।

अगर जी-20 के एजेंडे को देखें और इसके प्रस्ताव पर नजर डालें तब भी सब कुछ अच्छा अच्छा दिखेगा। इसमें बार बार वसुधैव कुटुम्बकम की बात है, समावेशी विकास की बात है, लैंगिक समानता व सभी महिलाओं को सशक्त बनाने की चर्चा है, भविष्य के लिए हरित विकास की बात है, टिकाऊ विकास और डिजिटल डिवाइड को दूर करने की बात है, बहुपक्षीय संस्थानों के निर्माण पर जोर है और दुनिया के देशों के बीच एकता बनाने की बात है। 'वन अर्थ, वन फैमिल, वन फ्यूचर' का संदेश है। नई दिल्ली घोषणपत्र में 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ लेकिन पहले इसकी इतनी चर्चा हो चुकी है कि भाजपा के तमाम नेता भारत को 'ग्लोबल साउथ' की सबसे प्रमुख आवाज के तौर पर उभरने का दावा कर रहे हैं। अगले दो महीने में होने वाले राज्यों के चुनाव और अगले साल के लोकसभा चुनाव के लिए यह प्रचार का मुख्य एजेंडा होगा कि भारत ने नई दिल्ली घोषणापत्र पर सौ फीसदी सहमति बना कर असंभव को संभव बनाया, 55 देशों के अफ्रीकी संघ को जी-20 का सदस्य बनाया, जिसके बाद इसक नाम जी-21 हो गया और 'ग्लोबल साउथ' की प्रमुख आवाज बन कर उभरा। हैरानी नहीं होगी अगर भाजपा के घोषणापत्र में नई दिल्ली घोषणापत्र की चीजें शामिल हों।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बाईपास पर सल्फ्यूरिक एसिड टैंकर पलटी

दुर्घटना में टैंकर चालक हुआ मामूली रूप से घायल

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। बाईपास पर सल्फ्यूरिक एसिड टैंकर पलटी होने का मामला प्रकाश में आया है जिससे स्थानीय परिसर के रहवासियों में भगदड़ मच गई थी कई लोगों ने डर के कारण अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए इस दुर्घटना के मामले में मुंब्रा अग्निशमन दल के नितिन शिंदे द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 9 सितंबर शनिवार सुबह तड़के 5:00 बजे मुंब्रा बाईपास रोड चरनी पड़ा से भोईसर से जालना की ओर जाने वाला टाटा टैंकर नंबर MH04EY9143 आरती फर्म्स के मालिक रौनक जैन और टैंकर चालक ब्रिजेश सरोल वर्ष 45 रहवासी चेंबूर मुंबई का अचानक

नियंत्रण बिगड़ने से सल्फ्यूरिक एसिड से भरा टैंकर नाले में पलटी हो गया और केबिन में फंसे टैंकर चालक को स्थानीय रहवासियों की मदद से केबिन से बाहर निकला गया और उनके बाएं हाथ कमर और चेहरे पर चोट आई है जिन्हें उपचार हेतु के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है सूचना मिलती ही टेक्नोवा कंपनी केमिकल एक्सपर्ट आपत्ती व्यवस्थापन कक्ष के कर्मचारी और एक पिकअप वाहन के साथ मुंब्रा पुलिस के कर्मचारी व ट्रैफिक विभाग के कर्मचारी समेत अग्निशमन दल के जवान एक फायर वाहन एक वाटर टैंकर वह एक रेस्क्यू वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंचे कर टैंकर में लगी को बुझाया गया टैंकर में मौजूद सल्फ्यूरिक एसिड नाले में गिरने से बड़ी दुर्गंध आ रही थी फिलहाल इस दुर्घटना के करण ट्रैफिक यातायात काफी समय तक बाधित रहा टैंकर को नाले में से निकलने कर एक और करने के बाद धीमी गति से बाधित यातायात को छोड़ गया इस दुर्घटना के मामले में स्थानीय रहवासियों द्वारा बताया जा रहा है की बाईपास पर दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है आए दिन कोई ना कोई दुर्घटना की खबर सामने आती है जिससे स्थानीय रहवासियों में हमेशा डर और दहशत बनी रहती है।

घोसी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रचंड जीत

पर मुंब्रा पार्टी कार्यालय में मिठाई खिलाकर मनाया गया जश्न

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। राज्य उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के घोसी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी द्वारा विजय प्राप्त की गई है सपा की सुधाकर सिंह ने भाजपा के दारा सिंह चौहान को बड़े मतों से करारी हार दी है घोसी की सीट जीतने के लिए समाजवादी पार्टी के लिए चुनौती भरा था जिसकी बाद इस सीट पर विजय प्राप्त करने के बाद सपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है शुक्रवार को जैसे चुनाव के नतीजे आए समाजवादी पार्टी में खुशी का इजहार किया मुंब्रा पार्टी कार्यालय में भी घोसी मैं हुई समाजवादी पार्टी की जीत को लेकर जश्न मनाया गया एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुबारकबाद देते हुए नजर आए आपको बताते

चले समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह को 1,24, 427 मत हासिल हुए वहीं भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान को 81,668 मत पर सिमट गए हैं सुधाकर सिंह 42,759 को बड़े अंतरों से हराया गया इस चुनाव को लेकर 5 सितंबर मंगलवार को मतदान किया गया था शुक्रवार को जैसे ही चुनाव परिणाम आए समूचे सपाइयों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी वहीं मुंब्रा में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता इमरान आजमी, मोअज्जम खान मामा, अब्दुल मन्नान शेख, एहतेशाम शेख, मौलाना कमालुद्दीन, असद खान, तुफेल खान, वसीम खान, सरफराज जलालुद्दीन, शबाना अली सिद्दीकी, अजीम मार्केट, नूर अहमदी, जेबा फाल्के, के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित होकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की मुबारकबाद देते हुए नजर आए।

मुंब्रा शहर में दिनदहाड़े दो अज्ञात बाइक स्वरों ने की चैन स्नैचिंग

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में आए दिन चोरी चकारी की वारदातें थमने का नाम ही नहीं ले रही है कहीं रिक्शा,दो पहिया वाहन चोरी हो रही है तो कहीं पर घर फोड़ी की वारदातें घट रही है आपको बताते चले जिस प्रकार चोरी चकारी की वारदात घट रही है यह वारदात को नशेड़ी द्वारा अंजाम दिया जा रहा है यह नशेड़ी अपना नशा पूरा करने के लिए चोरी जैसे संगीन वारदात को अंजाम दे रहे हैं और अब चैन स्नैचिंग की वारदात भी घटना शुरू हो गई है जिसे नशेड़ी द्वारा अंजाम दिया जा रहा है आपको बताते चले गत 10 सितंबर रविवार दोपहर 3:00 बजे के आसपास शिकायतकर्ता 32

वर्षीय कल्याण निवासी महिला अपने पति के साथ कलवा परिसर से रिक्शा में अपने घर कल्याण जाते समय दो बाइक सवार घात लगाए इनका पीछा कर रहे थे तभी कौसा वाई जंक्शन के पास पीछा कर रहे दो अज्ञात बाइक सवार द्वारा रिक्शा के पीछे बैठी महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र और हार जबरन छीन लिया गया और अज्ञात चैन स्नैचर अपनी दो पहिया वाहन से उड़न छू हो गए चुराए गए सोने के मंगलसूत्र और हार की कुल कीमत 2,80,000/- रुपए बताई जा रही है फिलहाल मुंब्रा पुलिस द्वारा महिला की शिकायत पर दो अज्ञात आरोपी के विरुद्ध में गुंःरजिःनंः 929/2023 भारतीय दंड संहिता कलम की धारा 392, 34 के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश सरगर्मी से की जा रही है इस मामले की पूरी छानबीन मुंब्रा पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक कोरडे द्वारा की जा रही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सायन अस्पताल के पास भिड़ी कार

अधिकारियों के मुताबिक, कार में पांच लोग सवार थे। तीनों घायलों को सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित मुंबई के मानखुर्द इलाके के रहने वाले हैं और वे सभी पार्टी के लिए मरीन ड्राइव जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कार डिवाइडर से टकरा गयी थी। हादसे के बाद कार में आग लग गई। मिली जानकारी के मुताबिक, जैसे ही कार डिवाइडर से टकराई, कार के दरवाजे लॉक हो गए और कार में आग लग गयी। जिस वजह से पीड़ितों को कार से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। हादसे की सूचना पाकर जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तब तक कार आग पूरी तरह जल चुकी थी। आखिरकार दोनों भाइयों की दर्दनाक मौत हो गयी। दोनों भाइयों के नाम अजय वाघेला और प्रवीण वाघेला हैं। इससे पहले, बुधवार को पालघर जिले में एक कार के ट्रक से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित मुंबई से गुजरात जा रहे थे, तभी चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद कार डिवाइडर पार करते हुए विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल दो लोगों को इलाज के लिए भेजा गया।

मराठवाडा में रोज 3 किसान कर रहे आत्महत्या

पिछले आठ महीनों में करीब 685 किसानों ने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठाया है। आंकड़ों पर गौर करें तो प्रतिदिन मराठवाडा क्षेत्र में 2 से 3 किसान आत्महत्या कर रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि सबसे ज्यादा किसान राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे के जिले बीड में मौत को गले लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद एकनाथ शिंदे ने दावा किया कि उनका पहला प्रयास राज्य में किसानों की आत्महत्या को रोकना होगा। हालांकि, आत्महत्या रोकने के लिए सरकारी स्तर पर की जा रही कोशिशें भी नाकाम होती दिख रही हैं। राज्य के किसान कर्ज, फसल का खराब होना जैसे विभिन्न कारणों से बिगड़ी आर्थिक स्थिति की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं। मराठवाडा में पिछले आठ महीनों में 1 जनवरी से 31 अगस्त 2023 तक मराठवाडा में 685 किसानों ने विभिन्न कारणों से अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। पिछले साल यानी 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 तक मराठवाडा में 1 हजार 22 किसानों की आत्महत्या के मामले सामने आए थे। वहीं, इस साल आठ महीने के भीतर यह आंकड़ा 685 तक पहुंच गया है। साथ ही मराठवाडा में आत्महत्या की दर चिंताजनक बताई जा रही है।

मुंबई को यूटी बनाएगी मोदी सरकार

जिससे महाराष्ट्र का सियासी पारा हाई हो गया है। संसद के विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाये है। पटोले ने दावे के साथ कहा कि विशेष सत्र में देश को टुकड़ों में बांटा जाएगा। मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पूरी साजिश रची है। संसद के विशेष सत्र का एजेंडा भी यही है। मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा, संसद के आगामी विशेष सत्र का एजेंडा मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर उसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित करना है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, पीएम मोदी ने कोविड महामारी, 2016 की नोटबंदी और मणिपुर हिंसा जैसे मुद्दों पर कभी भी विशेष सत्र नहीं बुलाया। अब सत्र सरकार की मर्जी और मूड के मुताबिक बुलाया गया है। इस सत्र में मुंबई को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाएगा और इसे महाराष्ट्र से अलग कर दिया जाएगा। पटोले ने आरोप लगाया, मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर और आर्थिक राजधानी है। मुंबई की अहम इकाइयों जैसे एयर इंडिया, इंटरनेशनल सर्विसेज सेंटर और हीरा बाजार समेत अन्य को दूसरे शहरों में शिफ्ट किया जा रहा है। दोनों प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई को गुजरात ले जाने की योजना है। पटोले ने आरोप लगाया कि महाविकास आघाडी सरकार इस राज्य विरोधी फैसलों में बड़ी अड़चन थी, इसलिए केंद्र ने उस सरकार को गिरा दिया। महाविकास आघाड़ी में शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पावर) और कांग्रेस शामिल है।

केरल में निपाह वायरस का बढ़ा खतरा

स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार रात एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है कि एक निजी अस्पताल से बुखार के बाद दो संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। संभावना जताई जा रही है कि दो लोग निपाह वायरस से संक्रमित थे। मृतकों में से एक के रिश्तेदारों को भी आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं शिक्षा चौपाल का हुआ कार्यक्रम

प्राथमिक विद्यालय जमुहर पर हुआ कार्यक्रम

मुंबई हलचल/संवाददाता

मछलीशहर जौनपुर। मछली शहर के प्राथमिक विद्यालय जमुहर पर स्वच्छता पखवाड़ा एवं शिक्षा चौपाल का हुआ कार्यक्रम, जिसके मुख्य अतिथि डॉक्टर गोरखनाथ पटेल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर एवं विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार शुक्ला मछली शहर थे। डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने प्राथमिक विद्यालय जमुहर पर सभी शिक्षकों एवं बच्चों को स्वच्छता के प्रति शपथ दिलाया एवं सदैव स्वच्छता अपनाने की अपील भी की। खंड शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार शुक्ला ने बच्चों को एवं उनके अभिभावकों को सदैव आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए आह्वान भी किया। यह कार्यक्रम

बहुत ही सराहनीय था, जिसकी चर्चा जिले के अधिकारियों तक है। इस कार्यक्रम में उपस्थित होने वालों में ग्राम प्रधान उषा यादव, प्रधानाध्यापक रोहित कुमार यादव, मछली शहर अध्यक्ष लाल साहब यादव, रविंद्र सिंह, एवं जमुहर प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के अभिभावक भी थे। कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक विद्यालय जमुहर के प्रधानाध्यापक रोहित कुमार यादव ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं विद्यालय पर उपस्थित होने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

'पुरुषस्य चरित्रम' की 376 वीं प्रस्तुति में श्री अम्बष्ट ने किया 26 पात्रों का एकल अभिनय आदित्य संस्कृति पत्रिका

मुंबई हलचल/संवाददाता

दतिया, मध्य प्रदेश द्वारा होटल ब्लू स्टार, दतिया, मध्य प्रदेश के प्रांगण में दिनांक-5/9/23 को हिन्दी महोत्सव के अंतर्गत देश के 16 राज्यों से आये 87साहित्यकार सह स्थानीय दतिया सहित मध्य प्रदेश के 56 साहित्यकार का परिचय सत्र, अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन,सामाजिक एवं पारिवारिक परिवेश में साहित्यकारों की भूमिकापर परिचर्चा, सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन, भक्ति गीत, पुरुषस्य चरित्रम की 376वीं प्रस्तुति एवं दिनांक-6/9/23 को हिन्दी महोत्सव शोभा यात्रा, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्तजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पर्यटन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। चर्चित साहित्यकार एवं लघु सिंचाई प्रमंडल, मधुबनी के लिपिक श्री संजय कुमार अम्बष्ट को अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान डॉड्डअन्नपूर्णा भदौरिया साहित्य सृजक सम्मान, 21 हिन्दी साहित्य अकादमी के निदेशक डॉड्डविकास दावे एवं आयोजन समिति अध्यक्षा डॉड्डे अंशु भदौरिया के कर कमलों द्वारा शॉल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। श्री अम्बष्ट के वीर रस कविता धरती माँ तुझे पुकार रही से

दर्शकों मे काफी उत्साह का संचार हुआ। बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए चर्चित अभिनेता संजय कुमार अम्बष्ट द्वारा लिखित, निर्देशित एवं अभिनीत लघु नाटक 'पुरुषस्य चरित्रम 'की 376वीं प्रस्तुति की गयी। जिसमें श्री अम्बष्ट ने 26पात्रों का अकेले अभिनय कर दर्शको को मंत्र मुग्ध करते हुए हतप्रभ कर दिया।इस लघु नाटक का मंचन पूरे देश में 375 जगहों यथा बेगूसराय, कटिहार, सहरसा,डाल्टेनगंज, हजारीबाग, कतरासगढ, लखनऊ, बनारस, नेशनल म्यूजियम हॉल, नयी दिल्ली, कर्नाटक, चेन्नई, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि जगहों पर सफल मंचन किया गया है। इस नाटक में देश में फैल रहे भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करते हुए आदर्श पुरुषार्थ को स्थापित करने का प्रयास किया गया है।स्लो मोशन का दंगल फाइट, खड़े खड़े दौड़ना, आग लगाना, दंगा, कुत्ता, मुर्गा, बाघ, बाघ का जबड़ा चीड़ना आदि का बेहतरीन प्रस्तुतिकरण सह 26 पात्रों का एकल अभिनय मुख्य आकर्षण रहा। यह प्रतीकात्मक एवं प्रायोगिक नाटक है। संपूर्ण दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक संपादक श्री जगत शर्मा जगत, श्री भानू शर्मा, राजेश तिवारी मक्खन आदि का सफल योगदान रहा।

भावनानी के भाव

दूषित जल की पीड़ा सुलझाएंगे

नदी उत्सव सम्मान की परंपरा को
पुनर्जीवित करने का बीज बोएंगे
देश के सब नागरिक सचेत होकर
दूषित जल की पीड़ा सुलझाएंगे

गंगा उत्सव मनाने को अब
राष्ट्रव्यापी नदी उत्सव बनाएंगे
मां गंगे की पीड़ा की वास्तविक कहानी
जन-जन तक हम पहुंच जाएंगे

गंगा की पीड़ा को हम सब तब समझ पाएंगे
जब कचरे का ढेर नदियों में पड़ा पाएंगे
नदियों को स्वस्थ रखने जनता जनजागृति
लाएंगे

प्रेरणा के लिए हर साल गंगा उत्सव मनाएंगे

मां गंगा को शुद्ध करने अनेक मिशन चलाएंगे
इन मिशनों को प्रेरणा दायक बनाएंगे
प्रकृति में संरक्षण का नियम अपनाएंगे
युवा शक्ति को इस शुभ काम में लगाएंगे

-लेखक- कर विशेषज्ञ, स्तंभकार, साहित्यकार, कानूनी लेखक, चिंतक, कवि, एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में फिर बनेगी शिव सेना की सरकार : उद्धव ठाकरे

पूर्व सीएम ने किया छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण

मुंबई हलचल/सुरेश कोहली

जलगांव। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा की महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार चरमसीमा पर है जिससे यहां की जनता काफी परेशान है। उक्त बातें पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर कही। उन्होंने कहा की आज प्रदेश में भाजपा द्वारा लूट खसोट की राजनीति की जा रही है लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा की बीजेपी सरकार देश का नाम इंडिया से भारत रखकर किया साबित करना चाहती है। जबकि पहले से ही देश का नाम भारत ही है। श्री ठाकरे ने कहा की प्रदेश में रोजगार

के लिए युवा धक्के खा रहे है यहां बेरोजगारी का काफी आलम है। उन्होंने कहा की प्रदेश की बीजेपी सरकार से जनता का मोहभंग हो चुका है जनता अब बड़ा बदलाव चाहती है अब की बार एक बार फिर महाराष्ट्र में शिव सेना की सरकार बनने जा रही है। श्री ठाकरे ने कहा की मणिपुर जैसी शर्मनाक घटना ने पूरे देश को शर्मसार कर दिया वहीं हरियाणा के नूंह की घटना से भी बीजेपी सरकार पर काफी सवालिया निशान लगे है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा की कुछ चंद लोगों ने पार्टी से गद्दारी करके साबित कर दिया की वे प्रदेश की भोली भाली जनता का कभी भी भला नही चाहती है। उन्होंने कहा की महाराष्ट्र में दलित, आदिवासी समाज की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। आए दिन प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे है। इस अवसर पर सांसद संजय राउत सहित शिव सेना से जुड़े काफी पदाधिकारी,कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

आनंदपाल अपघात सेवा समिति ने नीट में चयनित भूमिका चौहान को सहायतार्थ चेक सौंपा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान रावणा राजपूत समाज की तहसील स्तरीय बैठक रूपाहेली गांव में श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान भीलवाड़ा के जिला अध्यक्ष भंवर सिंह सोलंकी, युवा जिला अध्यक्ष भगवान सिंह राठौड़, अपघात सेवा समिति जिला अध्यक्ष हरिकिशन सिंह कानावत के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भंवर सिंह सोलंकी ने समाज के हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह शेखावत के 105 बलिदान दिवस पर आयोजित आगामी कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा जिला अध्यक्ष भगवान सिंह राठौड़ ने अधिक से अधिक संख्या में समाज बंधुओ को सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया। अपघात सेवा समिति जिला अध्यक्ष हरिकिशन सिंह कानावत ने बताया कि आपस में मनमुटाव को भुलाकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप नहीं लगा कर सभ्य भाषा का प्रयोग करें बैठक को जैतगढ़ सरपंच महावीर सिंह सिसोदिया वरिष्ठ समाजसेवी भैरू सिंह राठौड़, संजयसिंह पंवार ने भी सम्बोधित किया। नीट में चयनित समाज की बेटी भूमिका चौहान आसींद को 45000 रुपए की आर्थिक सहायता राशि का चेक उनके

परिजनों के समक्ष समाज बंधुओ के सानिध्य में अपघात सेवा समिति ने उपस्थित समाजजनों की उपस्थिति में सौंपा। भविष्य में भूमिका चौहान डॉक्टर बनकर सेवाएं देगी, भूमिका चौहान ने समाज बंधुओ का आभार प्रकट किया।

आपदाओं से बचाव के उपाय अब आपके मोबाइल पर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मथुरा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मथुरा द्वारा आपदाओं से होने वाली जनहानि के रोकथाम, न्यूनकीकरण तथा आम जन-मानस में आपदाओं से बचाव के उपायों को साँझा करने हेतु विजिटल माध्यम से भूकंप, आकाशीय बिजली, सर्पदंश एवं बाढ़ से बचाव के उपायों को संकलित कर एक दफकोड के माध्यम से प्रेषित किया है। इस कोड को कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल से स्कैन कर आपदाओं से बचाव के उपायों को अपने मोबाइल पर ही जान सकता है। इस सम्बन्ध में अवगत कराया गया की जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन माध्यमों से आपदाओं से हो रही जनहानि को जागरूकता से रोकने व न्यूनीकरण करने हेतु जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उसी शृंखला में यह कोड विकसित

किया गया है तथा यह भी अवगत कराया गया की प्राधिकरण द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक ई-चित्रकला बुक भी विकसित की गयी हैं जिससे चित्रकला के माध्यम से भूकंप, अग्निकांड जैसी आपदाओं से बचाव के बारे में जान सके। इस ई बुकलेट को जनपद के सभी स्मार्ट क्लास संचालित स्कूल में उपलब्ध कराने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश पारित कर दिए गए है। प्राधिकरण द्वारा डिजिटल माध्यम से जागरूकता फैलाने का उदेश्य यह है की आज प्रत्येक व्यक्ति के पास मोबाइल है तथा इस संचार क्रांति का लाभ उठाते हुए आपदा जैसा महत्वपूर्ण विषय के बारे में जागरूकता फैलाना डिजिटल माध्यम से आसान होगा तथा ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति इस पहल से जागरूक हो सकेंगे। सुशील कुमार, आपदा विशेषज्ञ, मथुरा द्वारा यह भी आग्रह किया गया की प्रत्येक नागरिक दामिनी व सचेत ऐप को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें व अपने परिचित लोगो को भी इस ऐप को डाउनलोड करने के लिए जागरूक करें जिससे प्रत्येक जनपद वासी को मौसम पूर्व चेतावनी मिल सके। प्रशासन एवं जन-मानस के संयुक्त प्रयासों द्वारा आपदाओं से होने वाली हानि को कम किया जा सकता है।

बुलढाणा गौरव गणेश अभियान: वन बुलढाणा मिशन की एक पहल

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। इस वर्ष का गणेशोत्सव जिले के लिए खास होने वाला है। गणेश भक्तों के उत्साह को दोगुना करने के लिए वन बुलढाणा मिशन की ओर से बुलढाणा गौरव गणेश अभियान चलाया जाएगा। गणेश मंडलों, घरेलू गणेश के समक्ष दृश्यों के माध्यम से जिले की गौरवशाली परंपरा को उजागर किया जाएगा। राजर्षि साहू परिवार के अध्यक्ष संदीप शेळके की संकल्पना ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है। गणपति बप्पा 19 सितंबर को आगमन होने वाले है। गणपति बप्पा दस दिनों तक घर-घर विराजेंगे। अनंत चतुर्दशी

यानी 28 सितंबर को प्यारे बप्पा अलविदा कह देंगे। गणेशोत्सव हर किसी का त्योहार है। हर तरफ आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिलता है। प्रतिदिन आरती, भजन, भक्ति गीत, संगीत की मधुर स्वर लहरियाँ सुनाई देती हैं। प्रिय गणराय के लिए घर-घर में नैवेद्य, मोदक, मिठाइयों का रेला लगा रहता है। गणराया को आरती, पूजा, सजावट, नए कपड़े और भक्तिपूर्ण आतिथ्य दिया जाता है। दस दिनों के बाद गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस की शुरूआत में कहकर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है।इस वर्ष, वन बुलढाणा मिशन जिले में गणेश।

अपराधियों पर हावी इंस्पेक्टर अशोक दुबे का कर्तव्य पथ, रोनिल हत्याकांड में दो और गिरफ्तार

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां पुलिस ने लगभग 9 माह बाद चर्चित रहे रोनिल सरकार हत्याकांड में दो और आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इन दोनों आरोपितों के चैट मुख्य अभियुक्त विकास यादव के साथ मिले थे, जिसमें सुपारी लेनदेन की बात हुई थी। उस समय इसी वाट्सएप चैट के आधार पर पुलिस ने हत्याकांड का पर्दाफाश किया था, जिसके बाद इन दोनों आरोपियों साहिल और यीशु यादव के फरार होने की दशा में पुलिस उनकी तलाश लगातार कर रही थी। अवगत कराते चलें कि श्याम नगर डी ब्लाक स्थित दिव्यधाम अपार्टमेंट निवासी और वहीं के वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर में इंटर के छात्र संजय सरकार के 18 वर्षीय बेटे रोनिल सरकार के इन दोनों हत्यारे साहिल और यीशु को गिरफ्तार करने में जिस चकेरी पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। उसकी कमान आजकल अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली के जुझारू तेवरों वाले तेज तर्रार और व्यवहार कुशल इंस्पेक्टर अशोक दुबे के हाथ में है। मुखबिर की

सटीक सूचना पर रोनिल हत्याकांड के इन दोनों फरार चल रहे आरोपियों साहिल और यीशु यादव को भी गिरफ्तार करने वाले कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर अशोक दुबे के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा वाले सरल और शालीन स्वभाव के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंस्पेक्टर अशोक दुबे ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

जेलों के रवैए से बन रहें हैं हार्डकोर अपराधी, मजिस्ट्रेट और निचली अदालतों का दखल जरुरी – तोमर

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भारतीय संविधान के अनुसार किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा इतनी कीमती है कि उसकी कल्पना नहीं की जा सकती हैं। एक फैसले मे सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि किसी बेकसूर व्यक्ति को एक दिन भी जेल मे रखना उसका पूरा जीवन बर्बाद कर सकता हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता राजेन्द्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया ने इस बाबत कानूनी प्रक्रियाओ का जिक्र करते हुए उनके बारे में राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को जनहित मे बताते हुए कहा कि यदि देश की मजिस्ट्रेट और सैशन अदालते चाहें तो देश की जेलों मे बंद लाखों विचाराधीन बंदियों मे भारी कमी आ सकती है और जेलों की तस्वीर बदली जा सकती है, उन्होंने बताया कि देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई आदेशों मे कहा है कि बेल यानी जमानत एक रूल है और जेल अपवाद है। शीर्ष अदालत ने जेलों मे लम्बे समय से बंद विचाराधीन बंदियों के संबंध मे प्रदेशो के उच्चतर, सैशन न्यायालयो व मैजिस्ट्रेट अदालतो को कई बार दिशा निर्देश दिए है कि वो यान्त्रिक तरिके से बंदियों के रिमांड देने और जमानते खारिज करते समय अपने विवेक और कानूनी प्रक्रिया का पूर्ण पालन करें और नियमित मामलो मे जमानते प्रदान करें।

राजा भईया ने बताया कि देखने मे आता है कि जेलें आरोपियों मे सुधार लाने की बजाय हार्डकौर अपराधी तैयार करने की प्रयोगशालाएं बनती जा रही है क्योंकि जेल आवास के दौरान पहली बार जेल गये बन्दी हार्डकौर अपराधियों की संगत मे आते है और अधिक समय जेल मे रहने

के दौरान उनके मन मे पुलिस व कानून के प्रति अविश्वास पंनपने लगता है इसी बात का फायदा उठा कर जेलो मे बंद हार्डकौर अपराधी उन्हें अपने गैगों मे शामिल कर लेते है! एडवोकेट तोमर कहते है कि नागरिक की व्यक्तिगत आजादी पर पुलिस के किसी भी अवैध हमले के सामने मैजिस्ट्रेट अदालते पहली सुरक्षा रेखा होती है बिना न्यायिक अनुमति के किसी को भी जेल नहीं भेजा जा सकता, यदि मैजिस्ट्रेट अदालते मात्र सीआरपीसी की धारा 41-ए, 50(1), 167(2) ए,और 438 के प्रावधानो को सख्ती से लागू करें तो निश्चित ही देश की जेलों मे बंद लाखों विचाराधीन बंदियों के जेल मे रहने और जेल जाने मे कमी आ सकती है। धारा 41(ए) के अनुसार कुछ अपवादों को छोड़ कर सभी मामलो मे सात वर्षो तक की सजा से दंडित अपराधों के आरोप मे आरोपी की पुलिस द्वारा गिरफ्तारी नहीं की जा सकती और ना ही ऐसे आरोपी को जेल भेजा जा सकता है उसे पहले पुलिस बेल पर थाने से और बाद मे कोर्ट बेल पर अदालत से जमानती पेश करने पर रिहा किया जाना चाहिए। परन्तु ज्यादातर मामलो मे पुलिस ऐसा नहीं करती है और आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट से जेल भिजवा देती है। धारा 50(1) के अनुसार गिरफ्तारी के समय गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी के समस्त आधार उसको समझ आने वाली भाषा मे बताये जाने चाहिए ताकि वह अपने पर लगाये आरोपों की रक्षा कर सके ताकि फर्जी मुकदमेा मे गिरफ्तारी की घटनाये रुक सके, परन्तु अधिकतम केसों मे आरोपी को गिरफ्तारी के आधार नहीं बताये जाते और ऐसा नहीं किया जाता! धारा 167(2) ए,के अनुसार कोई भी मैजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति की न्यायिक हिरासत तभी बढ़ा सकता है जब वह ऐसा किये जाने के पर्याप्त आधार पुलिस केस डायरी मे देख संतुस्ट हो जाये, परन्तु हर पंद्रहवे दिन महज प्रथागत रूप से ही आरोपी का जेल रिमांड आगे बढ़ा दिया जाता है अधिकांश मामलो मे जाँच अधिकारी केस डायरी आरोपी की पेशी के दौरान कोर्ट मे पेश ही नहीं करते है!

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

देहरादून पर्यावरण एवं वन संरक्षण हेतु श्री महाकाल सेवा समिति की अनोखी पहल सराहनीय है

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

देहरादून। पर्यावरण एवं वन संरक्षण हेतु श्री महाकाल सेवा समिति की अनोखी पहल सराहनीय है जो की शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है, सभी सम्मानित नागरिक इसको सराह रहे हैं और इस मुहिम में संस्था का साथ दे रहे हैं, श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष श्री रोशन राणा जी ने बताया कि उनकी समिति द्वारा आयोजित 'ट्रीगार्ड मुक्त पेड़' मुहिम को प्रत्येक सामाजिक व्यक्ति सराहा रहा है और इस मुहिम में जुड़ना चाहता है, रोशन राणा जी ने बताया कि हमने अक्सर देखा है की हर साल हरेला पर्व बड़े जोर-जोर से मनाया जाता है हजारों लाखों पर्यावरण प्रेमी इसमें बढ़ चलकर भाग लेते हैं,

जिसमें वृक्षारोपण के उपरांत लगाए गए पौधों को बचाने के लिए ट्री गार्ड का उपयोग होता है, मनुष्य और जानवर द्वारा पेड़ की रक्षा हेतु ट्रिगर्ड लगते हैं जिससे पेड़ सुरक्षित रहे, समय के हिसाब से पेड़ बड़ा होता है वह अपनी जड़े जमा लेता है तो ट्री गार्ड की आवश्यकता खत्म हो जाती है, पेड़ को दो-तीन या पांच साल का हो जाने पर ट्री गार्ड हटा लेना चाहिए पर ऐसा नहीं होता है, पेड़ बड़ा हो जाने पर ट्री गार्ड उसे पेड़ के अंदर सामने लगता है जिस वजह से पेड़ कुपोषित हो जाता है और वह अपना आकार बदल लेता है, अक्सर देखा गया है कि पेड़ सीधा बढ़ाने की जगह टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं उनकी शाखाएं विकृत रूप ले लेती है और कुछ ही समय बाद वह सड़ गल कर टूटने लगते हैं, जरा से आंधी तूफान में पेड़ टूट कर गिर जाते हैं या उनकी जड़ उखड़ जाती है, इन सब इन सब बातों को मध्य नजर रखते हुए श्री महाकाल सेवा समिति ने सप्ताह के दो दिन इसी पुण्य कार्य के लिए समर्पित किये है।

देहरादून सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेज्ट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

देहरादून दिनांक 11 सितंबर 2023, (जि. सू. का), जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेज्ट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में आज 97 शिकायतें प्राप्त हुई, प्राप्त शिकायतों पारिवारिक मामले तथा वरिष्ठ नागरिकों के भरणपोषण आदि से सम्बन्धित प्रकरण प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त भूमि विवाद, भूमि सीमांकन, अतिक्रमण, सरकारी धन का दुरूपयोग आदि से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वरिष्ठ नागरिकों से सम्बन्धित प्रकरणों पर यथाशीघ्र कार्यवाही करते हुए निस्तारण करें इसके लिए उप जिलाधिकारी सदर एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यथा शीघ्र निस्तारण करने को कहा। साथ ही उप अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि सम्बन्धी शिकायतों पर मौके पर जाकर जांच कराते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी ने कारगीग्रान्ट एवं चांचक में भू-माफियाओं द्वारा नाले को पाटकर किये जा रहे अतिक्रमण की शिकायत पर तहसीलदार सदर को मौका मुआवना करते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। डिफेंस कालोनी में लोनिवि की सड़क/भूमि पर किये जा रहे अतिक्रमण की शिकायत पर लोनिवि के अधिकारियों को कार्यवाही करते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डांडा लखौण्ड में भू-माफियाओं द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण पर क्षेत्रीय निवासियों द्वारा शिकायत की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं राजस्व के अधिकारियों को मौका मुआवना करते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। रामगढ ढालनवाला में 35 बीघा भूमि पर अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर एमडीडीए के अधिकारियों को मौके पर जाकर वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही के निर्देश दिए।

चमोली पुलिस का जागरूकता अभियान लगातार जारी

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

चमोली। कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज कर्णप्रयाग के छात्र-छात्राओं को साईबर क्राइम, सड़क सुरक्षा, नशे का उन्मूलन, महिलाओं की सुरक्षा व पोक्सो अधिनियम के सम्बन्ध में जागरूक कर दी गयी महत्वपूर्ण जानकारियां पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देशन* एवं पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग श्री अमित सैनी के पर्यवेक्षण में कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आज दिनांक 11/09/2023 को राजकीय इंटर कॉलेज कर्णप्रयाग के छात्र-छात्राओं एवं स्कूली स्टाफ को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों, यातायात, सड़क सुरक्षा, नशे का उन्मूलन, महिलाओं की सुरक्षा, पोक्सो अधिनियम के नियमों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। स्कूली छात्राओं को जानकारी देते हुए अवगत कराया गया की अपने साथ होने वाले अपमानजनक व्यवहार व छेड़छाड़ की घटनाओं को नजर अंदाज न करें इसकी सूचना तत्काल

अपने परिजनों और पुलिस को दें। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को शराब, सिगरेट, तंबाकू, ड्रग्स आदि नशे के सेवन से दूर रहने तथा नशे दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। छात्र-छात्राओं को वर्तमान में बढ़ते साइबर क्राइम व ऑनलाइन गेम के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए कैरियर काउन्सलिंग, बाल अपराध, महिला सुरक्षा, चाइल्ड हेल्प लाइन, बाल भिक्षा वृत्ति, नशा मुक्ति, उत्तराखण्ड पुलिस गौरा शक्ति एप, डायल-112 तथा साइबर हेल्पलाइन नम्बर-1930 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्णप्रयाग देवेंद्र सिंह रावत, व0उ0नि0 कोतवाली कर्णप्रयाग पंकज कुमार, आरक्षी चन्दन नागरकोटी साइबर सेल चमोली सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली की ओर से चंद्रकला नौटियाल एवं गरिमा बर्थवाल व राजकीय इंटर कॉलेज कर्णप्रयाग से जी.सी. डिमरी प्रधानाचार्य व अन्य अध्यापकगण मौजूद रहे।

115 लीटर कच्ची शराब के साथ 2 शराब तस्करों को थाना चोरगलिया पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

नैनीताल। पंकज भट्ट, एसएसपी नैनीताल द्वारा जनपद स्तर पर चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम करने हेतु अभियान के तहत हरबन्स सिंह एस.पी. सिटी हल्द्वानी, संगीता क्षेत्राधिकारी लालकुआं* के पर्यवेक्षण में भगवान सिंह मेहर थानाध्यक्ष चोरगलिया* के नेतृत्व में थाना स्तर पर गठित अलग अलग पुलिस टीम के द्वारा आज दिनांक 11.09.23 को चेकिंग के दौरान निम्न कार्यवाही की गई। अभियुक्त सुखदेव सिंह* पुत्र सुंदर सिंह निवासी धौराडाम जीरो बंदा थाना किच्छा उम्र 27 वर्ष के कब्जे से एक काले बैग में 114 पाउच करीब 57 लीटर कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया थाना चोरगलिया में मुकदमा एफ आई आर नंबर 78/ 23, धारा अंतर्गत धारा 60 (१) एक्साइज एक्ट* अभियोग पंजीकृत किया गया है।अभियुक्त रेशम सिंह* पुत्र दिलीप सिंह निवासी धौराडाम जीरो बंदा थाना किच्छा उम्र 42 वर्ष के कब्जे से एक काले व आसमानी बैग में 117 पाउच करीब 58 लीटर कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना चोरगलिया पर मुकदमा एफ आई आर नंबर 77/ 23, धारा अंतर्गत धारा 60 (१) एक्साइज एक्ट* अभियोग पंजीकृत किया गया है।

आरक्षी जसबीर सिंह को चमोली पुलिस द्वारा दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

चमोली। दिनांक 10.09.23 की प्रातः को उपचार के दौरान देहरादून में आरक्षी जसबीर सिंह के आकस्मिक निधन पर आज दिनांक 11.09.2023 को पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह एवं पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन सुश्री नताशा सिंह* द्वारा पुलिस लाईन गोपेश्वर में 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गयी। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा स्व0 आरक्षी जसबीर सिंह जी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा इस अपूर्ण क्षति से दुखी उनके परिजनों के प्रति दुख और संवेदना प्रकट करते हुए शोक संतृप्त परिवार को धैर्य व शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की। सम्पूर्ण चमोली पुलिस परिवार उक्त जवान के असमय मृत्यु पर अत्यधिक दुखी है तथा इनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है। पुलिस कार्यालय गोपेश्वर में निरीक्षक अभिसूचना इकाई श्री सचिन चौहान एवं समस्त अधिकारी/कर्मगणों द्वारा दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान पुलिस लाईन में प्रतिसार निरीक्षक श्री आनन्द सिंह रावत, यातायात उपनिरीक्षक दिगम्बर सिंह उनियाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी।

पिथौरागढ़ द्वारा पैट्रोल पम्प व लकड़ी टाल में सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षक किया गया

मुंबई हलचल/दीपक गुप्ता

पिथौरागढ़। फायर यूनिट पिथौरागढ़ द्वारा पैट्रोल पम्प व लकड़ी टाल में सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षक करते हुए कर्मचारियों को आग बुझाने के उपकरणों के सम्बन्ध दी जानकारियां दिनांक 10.09.2023 को पुलिस उपमहानिरीक्षक अग्निशमन एवं आपात सेवा देहरादून, के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ महोदय पिथौरागढ़ के आदेशानुसार, प्रभारी फायर स्टेशन पिथौरागढ़ श्री नरेंद्र प्रसाद द्वारा मय फायर यूनिट टीम के शहर क्षेत्र के पेट्रोल पंप व हिमालया टिम्बर जाजरदेवल का फायर रिस्क निरीक्षण गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

केले के छिलके से सोरायसिस का इलाज!

सोरायसिस या अपरस एक त्वचा रोग है, जो आपके शरीर के किसी भी हिस्से जैसे पीठ, गर्दन, पैरों और यहां तक मुंह को भी प्रभावित कर सकता है। यह बहुत दर्दनाक रोग हैं।सोरायसिस की समस्या होने पर त्वचा पर लाल रंग के परतदार पैच हो जाते हैं और इससे रोग से प्रभावित जगह पर खुजली होने लगती हैं। इस तरह का रोग होने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह ले। आप चाहे तो घर में भी इसका घरेलू उपचार करके देख सकते है। जी हां, आज हम आपको केले के छिलके से इस रोग का घरेली इलाज बताएंगे, जिससे काफी हद तक आराम मिलेगा। इस पेस्ट को बनाने के लिए कुछ केले के छिलको तो छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इन ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में तारकोल मिला लें। फिर इसे प्रभावित जगह पर लगाकर रगड़े और आधे घंटे तक ऐसे ही रहने दें।

संबंध बनाने से अच्छी रहती है सेहत

एक जमाना था जब लोग शारीरिक संबंध बनाने को अच्छा नहीं समझते थे। आजकल साइंस ने बहुत तरक्की कर ली है और यह बात साबित हो चुकी है कि सैक्स औरत-पुरूष के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी हैं। आइए जानते है शारिरिक संबंध किन-किन कारणों से जरूरी है।

1. सर्दी,फ्लू और पेट का खतरा कमः *एक शोध में पता चला हैं कि अगर पति-पत्नि हफ्ते में 2 बार शारीरिक संबंध बनाते हैं तो इससे सर्दी,फ्लू और पेट की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। अगर वहीं कपल्स हफ्ते में 3 से ज्यादा बार संबंध बनाते हैं तो इससे बीमार होने का खतरा बढ़ सकता है।*

2. अच्छा रहता है मूडः *पती-पत्नि के बीच शारिरिक संबंध बनाने के बाद रक्त संचार बढता है और ऑक्सीटॉसिन नाम के रसायन की उत्पत्ति होती है। जिससे मूड अच्छा रहता है।*

3. मोटापे का खतरा कमः *शारिरिक संबंध बनाने से 100 से 250 कैलरी बर्न होती है। इससे मोटापे का खतरा कम हो जाता है।*

4. डिलीवरी के दर्द से राहतः *पति-पत्नी अगर नियमित रूप से शारीरिक संबंध बनाते हैं तो इससे प्राइवेट पार्ट की मांसपेशियों में चिकनाहट पैदा होती है। जिससे डिलीवरी के समय परेशानी कम होती है।*

5. प्रैग्नेंसी में होने वाली परेशानी दूरः *एक शोध के मुताबिक जो औरतें लंबे समय तक सैक्स से दूर रहती हैं। उनको प्रैग्नेंसी में बहुत परेशानियां आती हैं।*

6. पीरियड्स की तकलीफ दूरः *सैक्स करने से शरीर में एस्ट्रोन की मात्रा ठीक हो जाती है, जिससे पीरियड्स में होने वाली ब्लीडिंग की परेशानी कम हो जाती है।*

7. सूंघने की शक्तिः *सैक्स के दौरान फेरामोन्स की तलाश करने के लिए नाक ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। जिससे नाक की पेशियों में खून का दौरा बढ़ता है और सूंघने की शक्ति मजबूत हो जाती है।*

8. लंबी उम्र का राजः *शारीरिक संबंध में लंबी उम्र का राज छिपा है। शोध के मुताबिक सहवास से मिलने वाली संतुष्टि से तनाव कम हो जाता है। इससे मानसिक सुख मिलता है,जिसका असर हमारी उम्र पर पड़ता है।*

9. सैक्स से रहते हैं जवानः *10 साल लगातार किए गए शोध के मुताबिक यह बात सामने आई है कि बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाई देने के पीछे के कारण शारिरिक संबंध है।*

आपकी इन गलत आदतों से हो सकती है किडनी खराब!

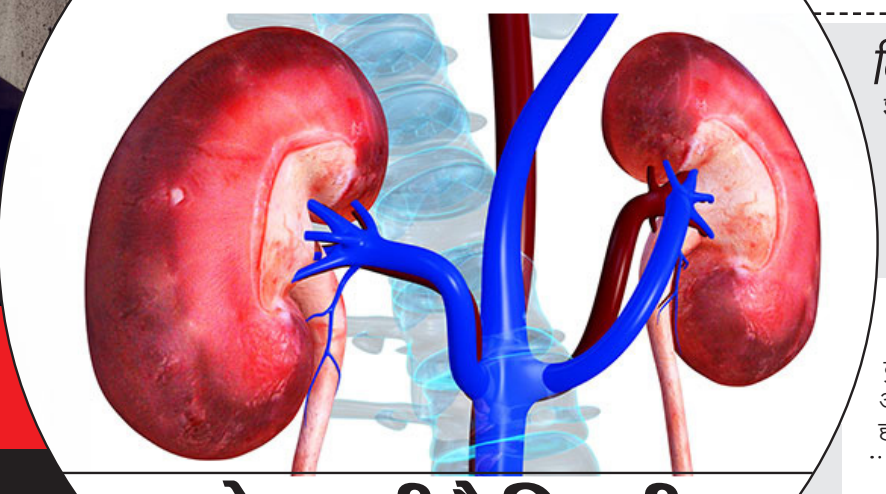

किडनी का हमारे शरीर में बहुत महत्व होता हैं। किडनी हमारे शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्य करती हैं लेकिन हमारी कुछ गलत आदतें किडनी को नुकसान पहुंचाती है। किडनी खराब होने पर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप अपनी आदते बदलें। आए जाने इन गलत आदतों के बारे में...

अधिक नमक का सेवन करना

कुछ लोग नमक का बहुत अधिक सेवन करते हैं जिसका सीधा असर किडनी पर पड़ता है। शरीर में सोडियम की मात्रा अधिक होने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है जिसके किडनी पर जोर पड़ता है।

यूरिन को रोकना

अगर आप यूरीन को रोक कर रखते हैं तो इस आदत को छोड़ दें। आपकी इस आदत के कारण किडनी फेल हो सकती है या फिर किडनी में स्टोन होने की समस्या हो सकती है।

नींद कम लेना

नींद कम लेने से भी किडनी की समस्या हो सकती है। नींद कम लेने से मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है।

कम पानी पीना

अगर आप दिन भर में पानी का सेवन कम करते हैं तो आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हानिकारक टॉक्सिन्स छनने की बजाए शरीर में ही इकट्ठा होने लगते है जिसके कारण किडनी फैल भी हो सकती है।

अधिक मीठे का सेवन करना

अधिक मिठाई का सेवन करने से यूरिन से प्रोटीन निकलने लगता है, जिससे किडनी खराब होने लगती हैं।

कम उम्र में हो रहीं ये समस्याएं

महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरत रही हैं। शिक्षित होते हुए भी ज्यादातर महिलाएं खान-पान और रहन सहन के प्रति सजग नहीं हैं। नतीजतन कम उम्र में ही उन्हें वे बीमारियां हो रही हैं, जो अधिक आयुवर्ग में होती हैं। सर्वे में सामने आया है कि करीब 52 प्रतिशत महिलाओं में विटामिन-ई की कमी है। वहीं 78 प्रतिशत महिलाएं कैल्शियम की कमी से पीड़ित हैं। यह सर्वे गणगौरी अस्पताल में किया गया है। दरअसल, हड्डियों व दांतों के विकास और उन्हें स्वस्थ रखने के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है। खून का थक्का और मांसपेशियों व तंत्रिकाओं की सही कार्यप्रणाली भी कैल्शियम पर ही निर्भर है।

कैंसर रोकने में प्रभावी है बथुआ

पोषक तत्त्वों के आधार पर आयुर्वेद में बथुए को सभी के लिए हितकर माना गया है। अथर्ववेद में इसे बवासीर रोग में लाभकारी और कृमिनाशक (पेट के कीड़ों को नष्ट करने वाला) बताया गया है। आहार के साथ इसमें कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। जानिए इसके फायदे-

कैंसर रोकने में प्रभावी

एक शोध के मुताबिक बथुए की पत्तियों से निकले रस का प्रयोग एंटी-ब्रेस्ट कैंसर में बायो एजेंट के रूप में किया जाता है। यह कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि को रोकता है।

पथरी में लाभदायक

जोड़दर्द की समस्या होने पर इसके बीजों का काढ़ा बनाकर पीने से काफी राहत मिलती है। इसके अलावा पथरी की समस्या में इसके पत्तों को उबालकर छानें व पीएं। पेट के रोगों, आंतों में संक्रमण और यूरिक एसिड बढ ` की स्थिति में बथुए के साग का प्रयोग फायदेमंद रहता है। पीलिया होने पर बथुए के रस को गिलोय के रस के साथ मिलाकर पीने से स्थिति सामान्य होती है। महिलाओं में अनियमित माहवारी या इस दौरान अत्यधिक दर्द हो तो इसके बीजों का काढ़ा सोंठ मिलाकर पीएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

SAQUIB AKHTAR RIZVI
MEMORIAL CANCER AWARENESS MARATHON
5TH EDITION 2023

RUMI CARE
HELP YOURSELF FOUNDATION
BANDRA, MUMBAI.

FUNDRAISING EVENT

i Choose hope
RIZVI
Half Marathon

2023
01ST OCT
Sunday

5:00AM ONWARDS
MMRDA GROUND G8 BKC, MUMBAI

- 3 KM — SCHOOL STUDENTS
- 3 KM — WHEEL CHAIR RACE
- 5 KM — RUN
- 10 KM — RUN
- 21 KM — HALF MARATHON

#rumicare #kickcancer

CERTIFIED BY
AIMS
Association of International Marathons and Distance Races

REGISTRATION PARTNER
DECATHLON
ATRIA, WORLI
SPORT FOR ALL - ALL FOR SPORT

Winners
Cash Prizes, Trophies & Gift Hampers for the Winners

	1st Prize	2nd Prize	3rd Prize
21 KM	21000	11000	9000
10 KM	11000	8000	5000
5 KM	5000	3000	2000

Finishers will get E- Certificates and Medal
Dr. Alkama G. Faqih | 93234 09313

rizvimarathon@gmail.com
https://www.townscript.com/e/saquib-rizvi-memorial-cancer-awareness-marathon-320123
www.helpyourselffoundation.in

Facebook: rizvimarathon
X: rizvimarathon
Instagram: rizvi_marathon